जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 392 प्रभात हिण्डौन सिटी, शनिवार 6 दिसम्बर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

‘आतंक के खिलाफ लड़ाई में हम भारत के साथ लड़ेंगे’

पुतिन की इस टिप्पणी से पाकिस्तान के पसीने छूटे

- पाकिस्तानी विश्लेषकों ने कहा कि आतंक के खिलाफ जंग में रूस और भारत के साथ आने से क्षेत्रीय संतुलन बिगड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक विपन्नता, राजनैतिक उठापटक और पश्चिम के साथ तनावपूर्ण संबंधों से त्रस्त है और वह भारत और रूस की ताकत का मुकाबला नहीं कर सकता।
- भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन के बयान को कूटनीतिक जीत बताया और कहा कि भले ही यह बात अनायास ही कही गई हो, पर, चूंकि पुतिन अपने ताकत दिखाने वाले बयानों के लिए जाने जाते हैं, इसलिए यह बयान काफी महत्वपूर्ण है और इससे दुनिया भर में दोनों देशों के मजबूत संबंधों का मैसेज जाता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हालिया टिप्पणी, जो उन्होंने अपनी हाई - प्रोफ़ाइल भारत यात्रा के दौरान की, ने तुरंत ही एक भू-राजनीतिक तूफान को जन्म दे दिया, जिसकी एक अकेली नाटकीय लाइन से दुनिया भर की राजधानियों में तीव्र बहस शुरु हो गई। भारतीय नेताओं के साथ खड़े होकर पुतिन ने एक ऐसे सशक्त वाक्य का इस्तेमाल किया, जिसे कई टिप्पणीकारों ने इस रूप में व्याख्यायित किया कि रूस "भारत के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ेगा।" यह बयान लाइव प्रसारण के दौरान दिया गया और विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पुनः प्रसारित हुआ। यह बयान शीघ्र ही वैश्विक चर्चाओं पर छा गया। जहाँ मॉस्को ने बाद में इस टिप्पणी को भारत के साथ लंबी अवधि से चल रही आतंकवाद- विरोधी साझेदारी के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया, वहीं, उक्त वाक्यांश इतना प्रभावशाली था कि इसने कयासों और रणनीतिक हिसाब-किताब की झड़ी का माहौल बना दिया।

इसकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र कहीं नहीं थी, जितनी पाकिस्तान में। इस्लामाबाद की राजनीतिक और मीडिया की टीका-टिप्पणी हद से ज्यादा रही। उन्होंने इस टिप्पणी को क्षेत्रीय सम्बंधों में एक ऐसे बदलाव के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे पाकिस्तान की रणनीतिक चिंताएं और गहरी हो सकती हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों ने चेतावनी दी कि अगर रूस वाकई भारत के साथ आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने का संकेत दे रहा है, तो यह ऐसे समय में "क्षेत्रीय संतुलन को गड़बड़ा सकता है," जब पाकिस्तान पहले ही आर्थिक नाजुकता, राजनीतिक बदलाव और पश्चिमी शक्तियों के साथ तनावपूर्ण रिश्तों से जूझ रहा है। प्राइम-टाइम शो और सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ाया, और ऐसे परिदृश्यों को सामने रखा, जिनमें मॉस्को का नई दिल्ली की ओर झुकाव दक्षिण एशियाई सुरक्षा प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है, विशेष रूप से भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच।

इसी बीच, भारतीय विश्लेषकों ने पुतिन की इस टिप्पणी को कूटनीतिक जीत के रूप में देखा, भले ही यह टिप्पणी गैर-इरादतन की गई हो। नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसे भारत के साथ रूस के दशकों पुराने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के रूप में देखा गया। कुछ विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि पुतिन, जो अनौपचारिक और मजबूत बयानों के लिए प्रसिद्ध हैं, ने शायद इस व्यापक संदेश को रेखांकित करने का प्रयास किया: रूस भारत को क्षेत्र में स्थिरता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो की एक हज़ार से ज्यादा उड़ानें रद्द

- इंडिगो चालक दल की कमी और परिचालन सम्बंधी समस्याओं से जूझ रही है। नागर विमानन महानिदेशालय ने स्थिति की जांच के लिए समिति गठित की है।

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। चालक दल की कमी और परिचालन संबंधी समस्या से जूझ रही इंडिगो की शुक्रवार को देश भर में "1,000 से अधिक" उड़ानें रद्द रहीं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच के लिए एक संयुक्त महानिदेशक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इसके अलावा इंडिगो के ऑपरेशनल नियंत्रण केन्द्रों में डीजीसीए की टीमों की तैनाती की जायेगी, जो उड़ानों में देरी/उड़ानें रद्द होने और प्रभावित यात्रियों के लिए की गयी व्यवस्था की निगरानी करेंगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन को दिए राष्ट्रपति के भोज में राहुल और खड़गे को निमंत्रण नहीं

राहुल लोकसभा में तथा खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, उन्हें निमंत्रित नहीं करने से भारी आश्चर्य है

- गौरतलब है कि राष्ट्रपति के रात्रिभोज का कार्यक्रम, मेहमानों की लिस्ट पीएमओ बनाता है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की हद है और निंदनीय कृत्य है।
- हैरानी की बात है कि कांग्रेस के सांसद शशि थरूर को डिनर का निमंत्रण भेजा गया है।
- एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि केन्द्र सरकार किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से बतौर नेता प्रतिपक्ष उन्हें मिलने देना नहीं चाहती है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन में आयोजित रात्रिभोज में लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को निमंत्रण नहीं दिया और इस बात ने पूरे देश को चौंका दिया है।

यह रात्रिभोज राष्ट्रपति द्वारा आयोजित किया जा रहा है, लेकिन निमंत्रण सूची और अन्य विवरण प्रधानमंत्री और उनके कार्यालय द्वारा तैयार किए जाते हैं, और एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह कदम निंदनीय है तथा छोटी सोच और असुरक्षा की भावना की उच्चतम सीमा को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जो संसद में विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं, को निमंत्रण मिला है। कल ही राहुल गांधी ने यह बात उठाई थी कि मोदी सरकार नहीं चाहती कि किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से वे विपक्ष के नेता के रूप में मिलें।

परंपरा और प्रचलन से यह विचलन विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी, को बहुत खला है।

कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच संबंध तेजी से नीचे की ओर जा रहे थे, लेकिन हाल ही में जिस तरह से मोदी - राहुल गांधी को निशाना बनाते रहे हैं, वह भविष्य में व्यक्तिगत राजनीतिक रिश्तों के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

दूसरे वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इस घटनाक्रम से कड़वाहट और बढ़ेगी, और आज का घटनाक्रम मामलों को और खराब कर सकता है।

‘अमेरिका अपने न्यूक्लियर प्लांट्स के लिए खुद हम से फ्यूल खरीदता है’

पुतिन ने कहा, अगर अमेरिका को हम से फ्यूल खरीदने का अधिकार है तो भारत को भी है

- पुतिन ने ऐसा कहकर अमेरिका के दोहरे मानदंडों को उजागर किया, क्योंकि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव डाला था।
- पुतिन ने कहा, अब भारत एक बड़ी ग्लोबल पावर है और मोदी किसी के भी दबाव में नहीं आते हैं और ना तो मैंने, ना ही मोदी ने अपने सहयोग का इस्तेमाल किसी तीसरे देश के खिलाफ किया है।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूसी राष्ट्रपति व्यादिमिर पुतिन ने मॉस्को के साथ भारत की बढ़ती ऊर्जा साझेदारी का बचाव किया, यह तर्क देते हुए कि "कुछ तत्व" नई दिल्ली के बढ़ते प्रभाव को नापसंद करते हैं और राजनीतिक कारणों से कृत्रिम बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं, साथ ही यह दावा किया कि वॉशिंगटन के दोहरे मानकों के तहत, अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदता है।

अपने दो-दिन के दौरे से पहले इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों और रूसी तेल के भारतीय आयातों पर अमेरिकी जुर्माना शुल्क से भारत-रूस ऊर्जा सहयोग विघटित या भंग नहीं हुआ है, तथा वह "अप्रभावित" बना हुआ है।

अमेरिका के दोहरे मानदंड का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिका, रूस से परमाणु सामग्री खरीदना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा, "जहाँ तक भारत के रूस से ऊर्जा संसाधनों की खरीदारी का सवाल है, स्वयं अमेरिका अभी भी हमसे अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए परमाणु ईंधन खरीदता है।" उन्होंने कहा, "अगर अमेरिका को हमारा ईंधन खरीदने का अधिकार है, तो भारत को वही अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए?"

पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-रूस संबंधों का उद्देश्य किसी तीसरे देश को निशाना बनाना या उसके खिलाफ काम करना नहीं है। उन्होंने कहा, "न तो मैंने और न ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी हमारी सहयोग योजना को किसी के खिलाफ काम करने के रूप में देखा है।"

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब "एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी" बन चुका है और मोदी "ऐसे व्यक्ति नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन राजघाट गए, महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। भारत यात्रा पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। पुतिन ने बापू की समाधि पर सिर झुकाया और परिक्रमा की। उन्होंने एक पुष्प चक्र चढ़ ाया और बापू के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

उन्होंने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, "महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के ज़रिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। महात्मा गांधी ने एक नयी, ज़्यादा निष्पक्ष, बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया। समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में, आज भारत, दुनिया के लोगों के साथ मिलकर, अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है।" उन्होंने यह भी लिखा, "रूस भी ऐसा ही करता है।"

गौरतलब है कि पुतिन भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। इससे पहले उनका राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें सलामी गारद दी गयी।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल पंजाब से उल्टे पांव लौटे

पंजाब में एक बार फिर अपने फैसले से पलटी केन्द्र सरकार, पहले भी जन विरोध के कारण कई फैसले पलटने पड़े हैं

- केन्द्रीय कानून व न्याय मंत्री मेघवाल गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में भाग लेने पंजाब गए थे, पर भारी जन विरोध के कारण, केन्द्र सरकार ने उन्हें वापस बुला लिया। मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले और लौट गए।
- हालांकि, उन्होंने श्रीगंगानगर में हुए गंग नहर शताब्दी कार्यक्रम में भाग लिया, उस कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल भी थे।
- पंजाब में गंग नहर का हमेशा से विरोध होता रहा है। यहाँ के लोगों का मत है कि अंग्रेजों ने बीकानेर को खुश करने के लिए गंग नहर बनाई थी, जो पंजाब के हक का पानी बीकानेर को देती है।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। "आप" - शासित पंजाब में केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लगातार यू-टर्न्स लिये जाने के बाद, केन्द्र सरकार को गुरुवार को एक और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा, जब क़ानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जो बीकानेर से सांसद भी हैं, को अमृतसर एयरपोर्ट से ही लौटना पड़ा। वे फ़िरोज़पुर ज़िले के हुसैनीवाला में होने वाले गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में नहीं गए। रिपोर्टों के अनुसार, मेघवाल एयरपोर्ट से बाहर भी नहीं निकले, और लगभग दो घंटे के भीतर ही दिल्ली लौटने वाली उड़ान से वापस चले गए। हालांकि, मंत्री शुक्रवार को राजस्थान के श्री गंगानगर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में गंग नहर के शताब्दी कार्यक्रम में शामिल हुये।

पंजाब और राजस्थान के बीच पानी के बंटवारे का मुद्दा हमेशा से विवादित रहा है, और पंजाब के किसान अक्सर इसे राज्य के साथ अन्याय मानते हुए, इसका विरोध करते रहे हैं। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा, "गंग नहर कभी भी पंजाब के लिए कोई तोहफ़ा नहीं रही, बल्कि यह राज्य के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को प्रदर्शित करती है। जिस नहर ने पंजाब का पानी छीना, उसी का जश्न मनाना हमारी मान-मर्यादा का अपमान है।" इसी तरह, आप नेता नील गर्ग ने भी कहा कि "तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने बीकानेर को खुश करने के लिए पंजाब का पानी छीन लिया था। इस कार्यक्रम का सम्मान नहीं, निन्दा की जानी चाहिए।"

सूत्रों ने बताया कि मेघवाल के अमृतसर पहुँचने के तुरंत बाद, केन्द्र ने उन्हें वापस लौटने की सलाह दी, क्योंकि पंजाब में इस सम्बंध में राजनीतिक प्रतिक्रिया तेज़ी से बढ़ रही थी। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि गंग नहर, पानी के बंटवारे के कारण, पंजाब में बेहद संवेदनशील और विवादास्पद मुद्दे के रुप में है। उन्होंने कहा, "मैं आभारी हूँ कि केन्द्र ने समय रहते पंजाब की संवेदनशीलता को समझ लिया।"

मेघवाल का यह प्रकरण केन्द्र सरकार के कई हालिया यू-टर्न्स के बाद सामने आया है। अक्टूबर में, केन्द्र ने पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट और सिंडिकेट के पुनर्गठन का नोटिफिकेशन जारी किया था, लेकिन उस पर हुई तीखी प्रतिक्रिया के बाद, उसे वापस लेना पड़ा। केन्द्र ने संविधान में संशोधन कर चंडीगढ़ को अनुच्छेद 240 में शामिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कमी की

- आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा इससे घर व वाहन खरीद के लिए लोन लेने वालों को लाभ होगा।

मुंबई, 05 दिसंबर। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार की उम्मीद के मुताबिक रेपो दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को नीतिगत दरों की घोषणा करते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 5.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने बताया कि मुद्रास्फीति (इन्फ्लेशन)निम्नतम स्तर पर बनी हुई है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर ऊंची बनी हुई है। इससे केंद्रीय बैंक के पास नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का मौका है।

पुतिन ने भारत के साथ ट्रेड 100 बिलियन डॉलर वार्षिक पहुँचाने का लक्ष्य तय किया

अभी दोनों देशों में प्रति वर्ष 65 बिलियन डॉलर का बिज़नैस होता है

- भारतीय उद्योगपतियों व व्यवसायियों के साथ एक महत्वपूर्ण मुलाकात में पुतिन ने यह बात कही।
- पुतिन ने उन हाई प्रोफाइल प्रोजैक्ट्स की जानकारी दी, जिन्हें भारत व रूस द्वारा मिलकर शुरु किया जाएगा।
- इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि पुतिन द्वारा की गई ये घोषणाएं पश्चिमी देशों व अमेरिका को परेशान कर रही हैं। खासकर इसलिए कि अमेरिका व पश्चिम जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, रूस को अलग-थलग करने की, पर, उन्हें कामयाबी नहीं मिल रही है।
- भारत व रूस हमेशा से अच्छे मित्र रहे हैं। पर, हाल ही में ये संबंध और मजबूत हुए हैं और इसका कारण है, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप, जिनकी धौंस-धपड़ वाली टैरिफ नीति ने भारत को रूस के और निकट कर दिया।

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारत के साथ 100 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 65 अरब डॉलर सालाना है, जो उसकी वास्तविक क्षमता से काफी कम है।

रूसी राष्ट्रपति इन दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत यात्रा पर हैं। आज एक व्यावसायिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने उन व्यापक क्षेत्रों का ज़िक्र किया, जिनमें भारत और रूस मिलकर काम करने की योजना बना रहे हैं।

पुतिन की यह राजकीय यात्रा पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका, के लिए सीधी चुनौती मानी जा रही है, क्योंकि पश्चिम, भारत पर रूसी कच्चा तेल खरीदने को लेकर लगातार दबाव डालता रहा है। डॉनल्ड ट्रंप ने तो इस मुद्दे पर भारत को लगभग अलग-थलग कर दिया और आर्थिक दंड भी लगाए।

भारत यह सब किसी हद तक स्वीकार कर लेता, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने, आतंकवादियों द्वारा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को खुले तौर पर तवज्जो दी। हमले के तुरंत बाद उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को वाइट हाउस में लंच के लिए बुलाया था।

अतः कोई आश्चर्य नहीं कि द्विपक्षीय सहयोग के कई अन्य क्षेत्रों में भारत ने खासतौर पर आतंकियों से निपटने में रूस द्वारा पूरे दिल से दिए गए समर्थन का खास जिक्र किया।

जहाँ वर्तमान यात्रा के दौरान घोषित कई आर्थिक सहयोग कार्यक्रम दोनों देशों के हित में हैं, वहीं इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को खुले तौर पर सामने रखने को भारत की पश्चिमी देशों के प्रति स्पष्ट चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

जब पश्चिमी देश रूस के खिलाफ अपने अभियान और आरोपों को तेज़ कर रहे हैं, भारत पुतिन को गले लगा रहा है, जिन्हें पश्चिम अक्सर एक ऐसे खूनी निरंकुश शासक बताता है, जो बलपूर्वक एक संप्रभु देश पर कब्ज़ा करना चाहता है।

दुनिया भर के कूटनीतिक गलियारों में लगातार यह सवाल उठ रहा है कि भारत, पुतिन और रूस की कितनी तारीफ कर सकता है, जबकि साथ ही वह पश्चिमी देशों के साथ करीबी सहयोग के विचारों को भी बढ़ावा दे रहा है।

कई यूरोपीय नेताओं ने ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा उत्पादन, रक्षा निर्माण और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारों में रूस के साथ भारत की बढ़ती निकटता को लेकर अपनी बेचैनी ज़ाहिर की है।

पुतिन ने भारत और रूस के बीच शुरू कई हाई-प्रोफाइल संयुक्त परियोजनाओं की लंबी सूची जारी की है। यह सूची न सिर्फ दोनों देशों के हितों की पूर्ति के लिए है, बल्कि बाकी दुनिया को यह दिखाने के लिए भी है कि वैश्विक मंच पर वैकल्पिक कूटनीतिक व्यवस्थाएँ भी मौजूद हैं।

पुतिन द्वारा तय किया गया व्यापार लक्ष्य तभी संभव है, जब मौजूदा व्यापार कई गुना बढ़े। पिछले साल भारत-रूस व्यापार में सिर्फ 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। पुतिन ने बताया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए प्रस्तावों का एक पैकेज तैयार किया जा रहा है।

तेज़ी से व्यापार बढ़ाने का एक तरीका यह होगा कि आर्थिक सहयोग के दायरे को और व्यापक किया जाए। नए क्षेत्रों में साझेदारी खोजकर उन्हें लागू किया जाए, ताकि व्यापार में तेज़ बढ़ोतरी हो। दोनों देशों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार निपटाने की सुविधा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

इसके अलावा, भारत और रूस ने दोनों देशों में जॉइंट मैनुफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए मिलकर काम करने का वादा किया है। भारतीय और रूसी दवा कंपनियों के सहयोग से रूस में एक बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनी बन रही है।

अनिल अंबानी की 1120 करोड़ की संपत्ति ईडी ने जब्त की

- ईडी ने यह कार्यवाही रिलायंस होम फाइनैंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनैंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की है।

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की 18 संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक में जमा राशि और असूचीबद्ध निवेश में उनकी शेयरधारिता को जब्त किया है, जिनकी कीमत 1,120 करोड़ रुपये है।

ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कारवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की गयी है। ईडी अधिकारी ने बताया कि कुर्क की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)